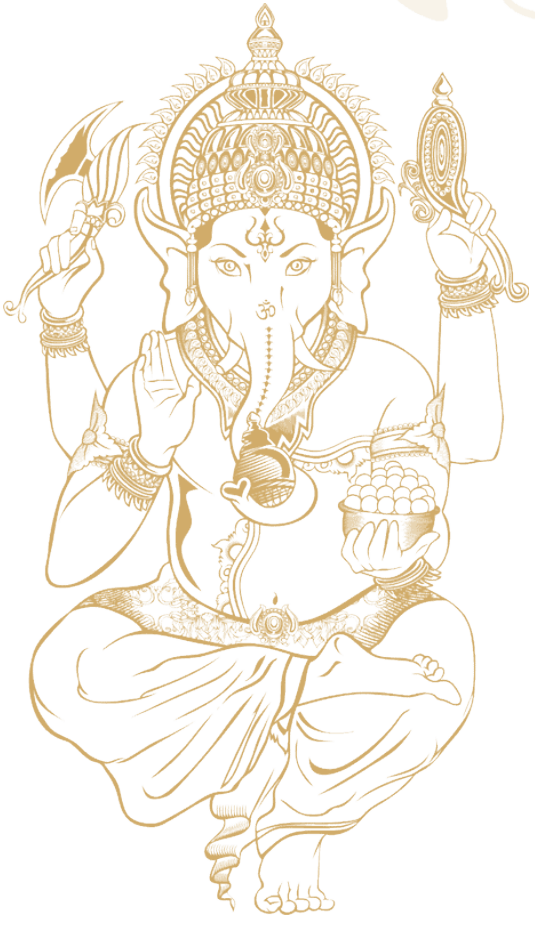

Vandana kashyap

01 Jul 1997

05:00 AM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121119025

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30-01/07/1997**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	59:07:26 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	22:03:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:58:48 घंटे
वेलान्तर	-00:03:36 घंटे
साम्पातिक काल	23:35:04 घंटे
सूर्योदय	05:21:01 घंटे
सूर्यास्त	18:48:30 घंटे
दिनमान	13:27:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:21:49 मिथुन
लग्न के अंश	09:42:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-आकांक्षा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:42:58	327:21:26	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			मिथु	15:21:49	00:57:13	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मेष	29:26:22	13:25:34	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	11:31:36	00:29:04	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
बुध		अ	मिथु	21:35:48	02:06:40	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	स्वराशि
गुरु	व		मक	27:25:42	00:03:54	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कर्क	08:51:21	01:12:54	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मीन	25:41:27	00:03:09	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	29:05:22	00:07:11	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	29:05:22	00:07:11	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	13:57:46	00:02:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:16:57	00:01:30	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:29:20	00:01:15	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	29:23:06	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:18

लग्न-चलित

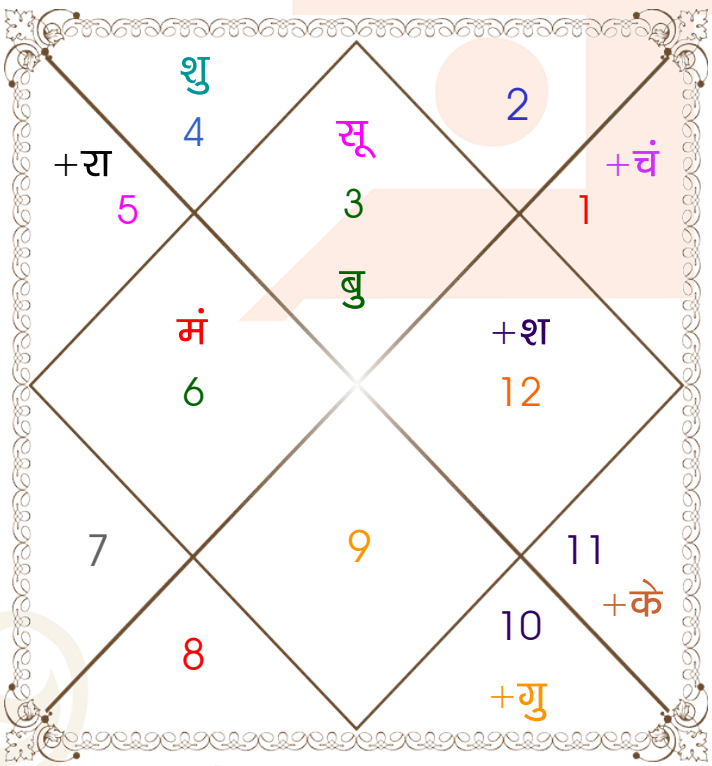

चन्द्र कुंडली

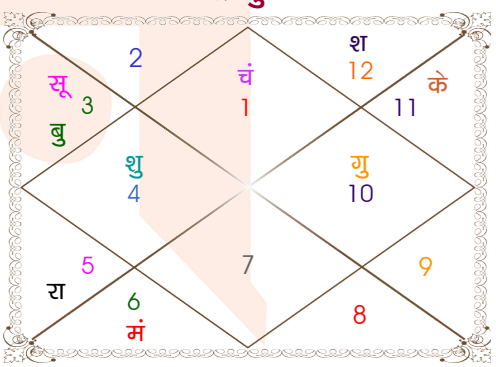

नवमांश कुंडली

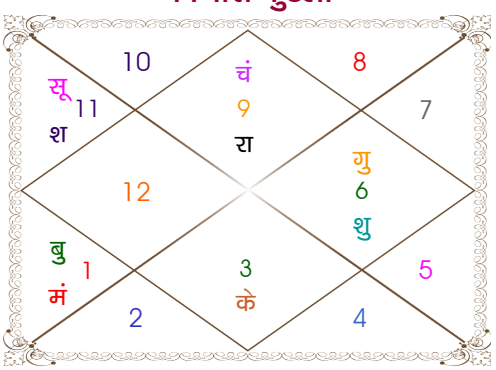

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 9 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/07/1997		01/04/2002		01/04/2012		02/04/2019		01/04/2037	
01/04/2002		01/04/2012		02/04/2019		01/04/2037		01/04/2053	
	00/00/0000	चंद्र	31/01/2003	मंगल	28/08/2012	राहु	13/12/2021	गुरु	20/05/2039
	00/00/0000	मंगल	01/09/2003	राहु	16/09/2013	गुरु	07/05/2024	शनि	01/12/2041
	01/07/1997	राहु	02/03/2005	गुरु	23/08/2014	शनि	14/03/2027	बुध	08/03/2044
राहु	20/04/1998	गुरु	02/07/2006	शनि	01/10/2015	बुध	01/10/2029	केतु	11/02/2045
गुरु	06/02/1999	शनि	31/01/2008	बुध	28/09/2016	केतु	19/10/2030	शुक्र	13/10/2047
शनि	19/01/2000	बुध	02/07/2009	केतु	24/02/2017	शुक्र	19/10/2033	सूर्य	01/08/2048
बुध	24/11/2000	केतु	31/01/2010	शुक्र	26/04/2018	सूर्य	13/09/2034	चंद्र	01/12/2049
केतु	01/04/2001	शुक्र	01/10/2011	सूर्य	01/09/2018	चंद्र	14/03/2036	मंगल	07/11/2050
शुक्र	01/04/2002	सूर्य	01/04/2012	चंद्र	02/04/2019	मंगल	01/04/2037	राहु	01/04/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/04/2053		01/04/2072		01/04/2089		01/04/2096		02/04/2116	
01/04/2072		01/04/2089		01/04/2096		02/04/2116		00/00/0000	
शनि	04/04/2056	बुध	29/08/2074	केतु	28/08/2089	शुक्र	01/08/2099	सूर्य	21/07/2116
बुध	13/12/2058	केतु	26/08/2075	शुक्र	28/10/2090	सूर्य	02/08/2100	चंद्र	19/01/2117
केतु	22/01/2060	शुक्र	26/06/2078	सूर्य	05/03/2091	चंद्र	02/04/2102	मंगल	27/05/2117
शुक्र	24/03/2063	सूर्य	02/05/2079	चंद्र	04/10/2091	मंगल	03/06/2103	राहु	02/07/2117
सूर्य	05/03/2064	चंद्र	01/10/2080	मंगल	02/03/2092	राहु	02/06/2106		00/00/0000
चंद्र	04/10/2065	मंगल	28/09/2081	राहु	20/03/2093	गुरु	31/01/2109		00/00/0000
मंगल	13/11/2066	राहु	16/04/2084	गुरु	24/02/2094	शनि	02/04/2112		00/00/0000
राहु	19/09/2069	गुरु	23/07/2086	शनि	05/04/2095	बुध	01/02/2115		00/00/0000
गुरु	01/04/2072	शनि	01/04/2089	बुध	01/04/2096	केतु	02/04/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 9 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।